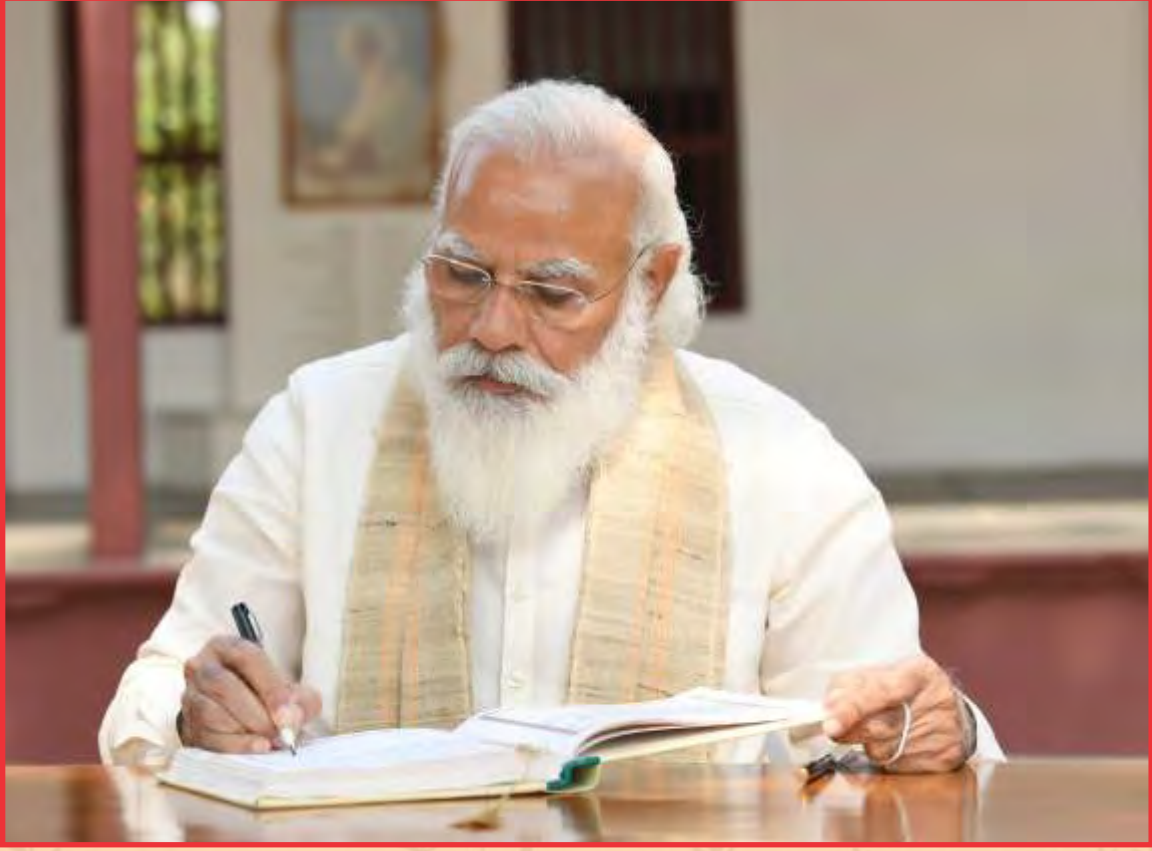


Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

www.namostudies.in



“पद्माकरं दिनकरो विकचीकरोति,
चन्द्रो विकासयति कैरवचक्रवालम् ।
नाभ्यर्थितो जलधरोऽपि जलं ददाति,
संत स्वयं परहिते सुकृताभियोगः ॥
—नीतिशतक, भर्तृहरि

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्ज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत हृदय (सहृदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।



नरेंद्र मोदी : एक विचारधारा—एक दृष्टि, एक सोच का नाम है!

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत हृदय (सहृदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।

यह बात जिस तरह सदियों पुरानी है, उसी तरह इस कथन पर खरा उतरनेवाले व्यक्ति सदियों में पैदा होते हैं, जो निरुस्वार्थभाव से परहित और समाजसेवा को अपने जीवन का एकमात्र उद्देश्य बना लेते हैं और उसी के अनुरूप देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए अनवरत, अहर्निश लगे रहते हैं, बिना इस बात की परवाह किए कि लोग उनके विषय में क्या सोचेंगे! प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी उसी तरह के व्यक्तित्ववाले एक ऐसे राजनेता कहे जा सकते हैं, जो अपने सोच, कार्य और विचार से अपनी वैश्विक छवि को न केवल शीर्ष पर स्थापित कर चुके हैं, बल्कि अपने व्यापक सोचसंवलित कार्यपद्धति से भारत को एक निश्चित दिशा में सतत गतिशील करने का महत् कार्य निरंतर कर रहे हैं! अपने पहले कार्यकाल में भारत के चहुंमुखी विकास की जो सुदृढ़ आधारशिला उन्होंने स्थापित की थी, उस पर प्रगति और विकास का भव्यभवन निर्मित करने की दिशा में वे असीम ऊर्जा और उत्साह के साथ निरंतर संलग्न हैं! भारत जैसे विशाल, बहुभाषी, विविधता से भरे बहुलावादी संस्कृतिवाले देश की अनेक कठिन राष्ट्रीय चुनौतियों के मध्य अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ने का जैसा आत्मविश्वास श्री नरेंद्र मोदी में परिलक्षित होता है, वह उन्हें सबसे अलग स्थान पर प्रतिष्ठित करता है!

गुजरात के मुख्यमंत्री से भारत के प्रधानमंत्री तक की अनथक राजनीतिक यात्रा में श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार्यशैली से पूरी दुनिया के शासकों को अनेक बार चौंकाया है! उनके शताधिक निर्णय, शताधिक

ओजस्वी भाषण, देश-विदेश की शताधिक उद्देश्यपूर्ण यात्राएँ मोदी जी की अपरिमित एवं अतुलनीय-अनुपमेय कार्यशैली के प्रमाण कहे जा सकते हैं! आज जिस तरह से विश्व के अधिकतर देशों, अंतरराष्ट्रीय मंचों, संस्थाओं में उनकी लोकप्रियता एवं सर्वस्वीकार्यता बढ़ी है, उससे उनके नेतृत्वकौशल का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। अनेक विरोधों और प्रतिरोधों के बावजूद मोदी जी के प्रतिद्वंद्वी भी उनके बहुत से निर्णयों से न केवल अवाक् रह जाते हैं, वरन् उन्हें स्वीकार करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं रह जाता, भले ही सार्वजनिक तौर पर स्वीकार न कर पाना उनकी राजनीतिक विवशता हो।

ऐसे में अपनी बहुमुखी कार्यशैली से अपने कुशल नेतृत्वपरक व्यक्तित्व की चतुर्दिक वैश्विक छाप छोड़नेवाले मोदी के विचार और सोच को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपनी वर्तमान तथा आनेवाली पीढ़ी के अवलोकनार्थ एवं विचारार्थ उन्हें सहेज कर रखे जाने की न केवल आवश्यकता है, उसके प्रचार और प्रसार की दिशा में सक्रियता से कार्य किए जाने की भी आवश्यकता है!

श्री नरेंद्र मोदी के कार्य एवं व्यवहार को लेकर आज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल व्यापक चर्चा-परिचर्चा हो रही है, बल्कि उन पर अनेक लेख, कार्यशालाएँ, पुस्तकों का लेखन, उन पर वृत्तचित्र से लेकर फिल्म निर्माण तक किए जा चुके हैं! उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं सम्मान दिए जा चुके हैं! भविष्य में अभी उन्हें न जाने कितनी अगणित उपलब्धियाँ प्राप्त होंगी! इन्हीं सारी बातों के केंद्र में मैं बहुत समय से एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था के स्थापित किए जाने की दिशा में गंभीरता से विचार कर रहा था! एक लंबे सोचविचार, गंभीर चिंतन और व्यापक विचार विमर्श के बाद मैं उसे मूर्तरूप में देखना चाहता हूँ! 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' उसी व्यापक सोच का एक सुचिंतित परिणाम है, जो मोदी जी के संबंध में किए जानेवाले संपूर्ण अध्ययनों को स्वयं में न केवल समाविष्ट करेगा, वरन् उनसे संबंधित पुस्तक लेखन, अध्ययन-शोध, परिसंवाद, परिचर्चा, सेमिनार, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं आदि के लिए प्रमुख अकादमिक केंद्र बनेगा! यह भी सुखद है कि इसकी आधारशिला श्री नरेंद्र मोदी के सत्तरवें (70वें) जन्मदिवस के अवसर पर रखी गई है, जिससे उनके जन्मदिवस की विविध स्मृतियों को भी भव्यता के साथ अक्षुण्ण रखा जा सके!

एक वृहत् सोच के साथ यह एक सामाजिक अभियान है, जिसमें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कलाकारों, शिक्षाविदों, समाज सेवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक संस्थाओं आदि की भागीदारी अपेक्षित होगी! आइए, इस अभियान से जुड़कर 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' की विकास यात्रा में अपना सहयोग दें और इसकी गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन में सक्रिय सहभागी बनें! इस कामना के साथ-

*"निगाहें कामिलों पर पड़ ही जाती हैं जमाने की
कहीं छुपता है अकबर फूल पत्तों में निहाँ होकर"*



नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र)

विजन और मिशन

श्री नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सोच, विचार, उनकी कार्यपद्धति, दृष्टि, पर आधारित साहित्यिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विषयों से संबंधित सामग्री आदि को केंद्र में रखकर गहन शोध और अनुसंधान के साथ अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र, पारदर्शी निष्पक्ष एवं उद्देश्यपूर्ण अकादमिक, सामाजिक संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा! यह संस्थान संवाद और विमर्श के माध्यम से सकारात्मक समाधान के लिए एक मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श और परिसंवाद करने के लिए देश में उपलब्ध सर्वोत्तम और संभावित संसाधनों से परिपूर्ण चिंतको, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों को एक साथ लाने की पहल करना है। इसके अतिरिक्त शांति और वैश्विक सौहार्द का कारण बनने वाली कोशिशों को बढ़ावा देना भारत की एकता और अखंडता पर असर डालने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों पर प्रभावी पर्यवेक्षण एवं हस्तक्षेप करना, चरमपंथ के साथ-साथ नीतिगत विकल्पों की पेशकश करने वाले सामाजिक और जातीय संघर्षों के कारणों का विश्लेषण करना, समाज के साथ बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान के लिए संस्थागत समर्थन और परस्पर विरोधी समूहों के बीच संवाद कायम करना, समालोचनात्मक, सार्वजनिक नीति, लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक निकायों के कार्यों और सार्वजनिक संस्थानों में सुशासन एवं दक्षता के लिए मानक विकसित करना, संस्था के व्यापक उद्देश्य होंगे। ये समस्त उद्देश्य राष्ट्र-निर्माण' संबंधी व्यापक और प्रमुख कार्यों के साथ-साथ उच्च शिक्षा से संबद्ध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अकादमिक संस्थानों की परिधि में आते हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अनेक अकादमिक निकाय और संस्थाएँ इन उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में व्यापक और गंभीरता से कार्य करने में विफल रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस तरह की अगंभीरता और अक्षमता के लिए उन निकायों की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) का विश्वास और मानना है कि ऐसी कोई संस्था, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण हैं, तब तक कोई उत्कृष्ट परिणाम नहीं दे सकती, जब तक उसे अकादमिकजगत से संबद्ध बुद्धिजीवी और सिविल सोसाइटी एक-दूसरे के साथ नियमित रूप से जुड़ नहीं जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र को मजबूत आधार देने और एक सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में अपनी गहरी आस्था और दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, यह नमो केंद्र इस दिशा में गहन अभिरुचि रखनेवाले देश-विदेश के प्रतिबद्ध लोगों के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर सर्वोत्तम



करने का प्रयास करेगा! विश्वास और भरोसा है कि इस तरह के अध्ययन और केंद्र के सकारात्मक प्रयत्नों से शासनव्यवस्था में सुधार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को व्यवस्थित और पुख्ता आधार मिल सकेगा। केंद्र के व्यापक कार्यों में भारत की विदेश नीति को देश के दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए एकीकृत करना और संसद और अन्य प्रतिनिधि निकायों के साथ-साथ सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित कार्यात्मक दक्षता लाना आदि सम्मिलित हैं।

उद्देश्य:

श्री नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश, भारत) आधारित एक थिंक टैंक है, जो नरेन्द्र मोदी अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में भारत के प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञों, शिक्षकों, सिविल सेवकों और परोपकारी लोगों के सहयोगात्मक प्रयासों के साथ स्थापित किया गया है। नमो केंद्र का उद्देश्य नवीन विचारों के लिए सकारात्मक पहल के साथ उसे एक उत्कृष्ट केंद्र बनना है, जो वैश्विक मामलों में अपनी प्रभावी और सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करते हुए एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध देश बनाने की दिशा में सहायक हो सके! श्री नरेन्द्र मोदी को न्यू इंडिया का वास्तुकार (शिल्पकार) माना जाता है। इस केंद्र का उद्देश्य नरेन्द्र मोदी के जीवन, विचारों और उपलब्धियों के साथ-साथ न्यू इंडिया, आत्मानिर्भर भारत, 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास', भारतीय लोकतंत्र, राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर अनेक अकादमिक कार्यक्रम आयोजित करना है। यह केंद्र भारतीय विदेश नीति और भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में भारत की स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष और संविधान के पचहत्तर वर्ष की पूर्णता के क्रम में नरेन्द्र मोदी मॉडल पर एक सेमिनार आयोजित करने का विचार रखता है। इसके अलावा उच्चशिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कई संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन की दिशा में भी पहल करेगा! अगले शैक्षणिक सत्र से, 'नमो केंद्र' नए भारत और आत्मानिर्भर भारत विषयों से संबंधित भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और वर्तमान समस्याओं के आलोक में भारतीय लोकतंत्र को आधार बनाकर अल्पावधि पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना बना रहा है। केंद्र क्रेडिट सिस्टम की वर्तमान योजना में कुछ अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत कर सकता है। नमो केंद्र विविध प्रकाशनों को भी सामने लाना चाहता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत युगों से ज्ञान का केंद्र रहा है। इस ज्ञान भंडार को वेद, पंचतंत्र और चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, तर्क आदि पर कई ग्रंथों के रूप में देखा और पढ़ा जा सकता है, जो भारत कहे जाने वाले राष्ट्र की शक्ति की गवाही देते हैं। दुनिया की कुछ सबसे पुरानी भाषाएं देश में बोली जाती हैं। यह सब इंगित करता है कि भारत एक राष्ट्र के रूप में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है, क्योंकि शास्त्रीय जलाशय के इस फव्वारे से अभिनव विचार उभर सकते हैं, जो निश्चित रूप से विश्व को एक दिशा देने का कार्य करेंगे।



नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अकादमिक गतिविधियों को स्वीकार करते हुए इस तरह के मामलों में इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य के लिए लिए निर्धारित है, जो बिंदुवत इस तरह रखे जा सकते हैं।

(अ) नरेंद्र मोदी द्वारा प्रवर्तित राष्ट्र-निर्माण के मॉडल के विषय में गंभीर और व्यापक शोध-अनुसंधान करना।

(इ) धर्मनिरपेक्षता, उदार लोकतंत्र, गुटनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की अवधारणा के मापदंडों को परिभाषित करते हुए, नीति निर्माताओं के परिप्रेक्ष्य में नरेंद्र मोदी की नीति निर्माण विषयक अवधारणाओं के अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करना।

(ब) इस क्षेत्र में काम करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों के साथ अंतर्संबंध स्थापित करने के साथ ही नीति निर्धारकों और सार्वजनिक अपेक्षाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध करवाना।

*“अर्श से आगे निकल जाएँ हवाए- शौक में
कम-से-कम ये रफ़त-ए-पर्वाज़ होनी चाहिए”*

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) की विशेषज्ञता (थ्रस्ट एरिया) का क्षेत्र-

1. राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन
2. अंतर्राष्ट्रीय संबंध / कूटनीति
3. पड़ोसी देशों का अध्ययन
4. शासन और राजनीतिक अध्ययन



5. आर्थिक अध्ययन
6. तकनीकी और वैज्ञानिक अध्ययन
7. ऐतिहासिक और सभ्यता संबंधी अध्ययन
8. नरेंद्र मोदी का राजनीतिक दर्शन।
9. न्यू इंडिया में मोदी और डेमोक्रेसी का विकास।
10. नरेंद्र मोदी और अंतरराष्ट्रीय राजनीति।
11. नरेंद्र मोदी और नवभारत का निर्माण एवं विकास।
12. नरेंद्र मोदी की राष्ट्रऋषि की छवि एवं उनका निर्भ्रांत व्यक्तित्व।
13. नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और भारतीय युवा।
14. नरेंद्र मोदी का सामाजिक दर्शन।
15. नरेंद्र मोदी और भारतीय अल्पसंख्यक समुदाय एवं हासियाकृत समाज।
16. कोविड का वैश्विक संकट एवं नरेंद्र मोदी की पहल।
17. नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का जनमानस पर प्रभाव।
18. नरेंद्र मोदी की वैश्विक छवि एवं विश्व की राजनीति पर उसका प्रभाव।

THE TIMES OF INDIA

MUMBAI | FRIDAY, FEBRUARY, 12, 2021

Ex-AMU media consultant sets up NaMo study centre

1MN | 1:58:12.000 PM | 11:02 AM IST

MUMBAI: Former media consultant at Aligarh Muslim University (AMU) Jasim Mohammad has established the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), a think-tank in Aligarh to promote peace and harmony. Aimed also at amplifying the "Narendra Modi Model" of growth and development, the Centre will hold seminars and symposiums and conduct research and studies on Modi's pet projects like Aatmanirbhar Bharat, Sabka Saath, Sabkaa Vikas, Sabka Vishwas.

"There are Centres of Nehru, Ambedkar, Vivekanand, Deen Dayal Upadhyay Studies. They all have their own values but a Centre for Narendra Modi Studies is a must because Modi symbolizes a new India, an India which is strong, self-reliant and forward looking," said Centre's chairman Mohammad who has already got CNMS as a public trust. This can also be called "NaMo Kendra or NaMo Centre" and its area of operations is global. So, it can hold a meeting or conference anywhere in the world but focus will be on how to popularize the thoughts and ideas of Narendra Modi.

Apart from holding seminars and conferences, from the next academic year the Centre plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like atmanirbhar bharat, india's freedom movement, democracy and the Constitution of India. Among other academic activities to be undertaken by the Centre include Narendra Modi model of nation-building, defining parameters of concept of secularism, liberal democracy, non-alignment and social justice as spelled by Narendra Modi to enable and facilitate policy makers. The Centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data. When asked if he will be labelled a "stooge" of Modi, Mohammad, a former director of Jamia Urdu in Aligarh, said: "I am not bothered about what others say. You are bound to ruffle a few feathers if you are going to do something new and unconventional. Many of those who oppose this initiative may join me later."



the pioneer

www.dailypioneer.com



COMEDY IS NOT EASY:
VARUN SHARMA
10 VIVACITY

Think tank named after Modi

A think tank named after PM Narendra Modi has been established (officially) research on his leadership, governance style and international diplomacy. Named as the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) or NaMo Kendra, it has been set up as a public trust by professor Israr Mohammad near the Law Faculty of Aligarh Muslim University.

Mohammad, who teaches Comparative Literature at Arunachal University of Studies, says that the centre will initially operate from Aligarh and will then be started in New Delhi. He adds that the centre can also be called 'NaMo Kendra'. To kickstart the activities of the centre and introduce it to the intelligentsia in the country and abroad, the CNMS has published more than 20 books on various spheres of Modi's leadership like *International Relations: Harbinger of Change*, *International Relations: Reshaping a New World Order*, *International Relations: A New Awakening*, *Galaxies of PM's Heart* & *Rat*, etc.

Elaborating further on the activities of the centre, Mohammad says that apart from holding seminars and conferences, from the next academic year, the CNMS plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like *Abanindranath Sanyal*, *India's Freedom Movement*, *Democracy and the Constitution of India*. Among other academic activities to be undertaken by it include the *Narendra Modi Model of Nation-Building*, *Defining Parameters of Concept of Secularism*, *Liberal Democracy*, *Non-alignment and Social Justice* as well as *Narendra Modi to enable and facilitate policy*.



makers. "The centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data," he adds.

Mohammad says that the idea to establish the CNMS struck him last year when the nation celebrated the 70th birthday of PM Modi. "It came to my mind that when personalities like Swami Vivekananda, Dr. B.R. Ambedkar, Jhansi Queen, Netaji Subhas Chandra Bose, etc. have institutions named after them, why shouldn't we start an institution to celebrate the leadership of Narendra Modi and other aspects of nation-building," he adds.

A website representative in his own name contacted to provide a glimpse

into the CNMS for readers. Apart from doing research on the leadership of Narendra Modi, the CNMS is out to explore ideas relating to National Security and Strategic Studies, International Relations, Diplomacy, Non-Alignment Studies, Governance and Political Studies, Economic Studies, Technological and Scientific Studies, Mother-tongue studies and Historical and Constitutional Studies. Mohammad is also trying to approach former bureaucrats, diplomats, academics, editors, researchers and other experts to join the CNMS and contribute its researches. "I am sure we'll soon have a dedicated and robust team," says he.

THE ASIAN AGE

NEW DELHI TUESDAY 9 MARCH 2021



NATION | 3
NIA takes over case of bomb scare near Ambani residence; Uddhav says 'something fishy'



SPORT | 8
Novak Djokovic sets all-time record of 311 weeks at No. 1, a week longer than Federer



DELHI AGE | 11
Kareena shares a glimpse of new baby, says there's nothing women cannot do

Centre aims to promote peace, harmony, ideas of PM 'Old boy' sets up NaMo centre near AMU

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, MARCH 4

Inspired by Prime Minister Narendra Modi's speech delivered at the centenary celebrations of Aligarh Muslim University (AMU) in December last year, an old boy (alumnus) of the university, Prof. Jasim Muhammad, has set up the Centre for Narendra Modi Studies near the varsity campus. The centre will run as a think tank to promote peace, harmony and ideas promoted by the leadership of Narendra Modi.

Mr. Mohammad, who teaches comparative literature at Arunachal University of Studies, has registered the centre as a public trust on land purchased near the law faculty of AMU. He says that initially, the centre will

operate from Aligarh and then shift base to Delhi.

Mr. Jasim adds that the centre is also called 'NaMo Kendra' or 'NaMo Centre' and its functional area is the entire world. "It means the centre can organise events under its banner anywhere in the world," explains Mr. Jasim.

Elaborating further on the activities of the centre, Mr. Jasim said that apart from holding seminars and conferences, from the next academic year, the centre plans to hold short-term workshops for college students and members on themes like *straw hat bhagat*, *India's freedom movement*, *democracy and the Constitution of India*. Amongst other academic activities to be undertaken by the centre include *Narendra Modi model of nation-building*,

defining parameters of the concept of secularism, liberal democracy, non-alignment and social justice as well as *Narendra Modi to enable and facilitate policymakers*.

"The centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data," he added.

Interestingly, Mr. Jasim, who has compiled and edited many books on PM Modi, had once filed an FIR against him after the 2002 Gujarat riots. "But like Modi's confidante Zafar Suresh Wala who was also against PM Modi after 2002 events and later got convinced when he met Mr. Modi, I also changed my opinion about him when I met him and got to know him more," said Mr. Jasim.

Mr. Jasim has been actively garnering support for Mr. Modi among Muslims and the teaching community of AMU. He has also faced a lot of flak because of his stance.

"But, I know how to navigate my path. Many people who have opposed me initially have joined hands with me later. I am sure this will happen with the NaMo centre also. People will raise eyebrows initially and then will vie to be part of this," said Mr. Jasim.

Mr. Jasim plans to run the centre on the lines of Vivekananda Foundation and Observer Research Foundation and is busy contacting former diplomats, bureaucrats, senior academics and experts of other fields to join the centre as advisors and contributors.



Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

VISION & MISSION:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an independent TRUST and global objective institution to promote unbiased research and in-depth studies. It stands as a platform for dialogue and conflict resolution. (Registered Trust in Aligarh, UP, India)

It strives to bring together the best available and possible minds in the country to ideate on key national and international issues, to promote initiatives that further the cause of peace and global harmony, to monitor social, economic and political trends that have a bearing on India's unity and integrity and to analyse the causes responsible for social and ethnic conflicts and leading to extremism as also offering policy alternatives, to interact with civil society and offer institutional support for exchange of ideas and interaction among conflicting groups, critique public policy and the working of democratic institutions and constitutional bodies, and evolve benchmarks for good governance and efficiency in public institutions.

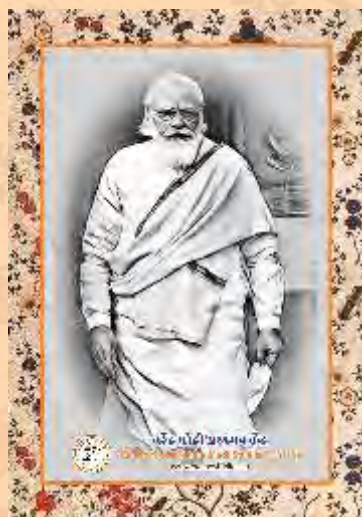
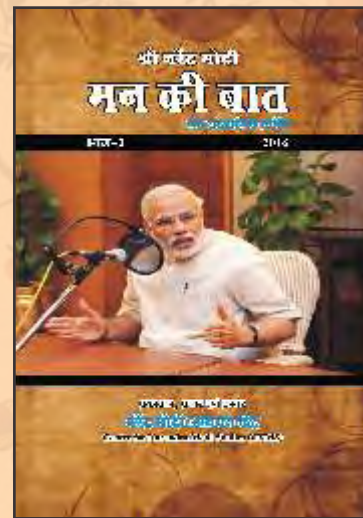
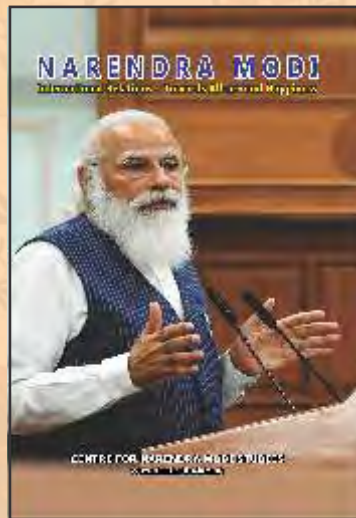
These objectives fall under a broad head called 'nation-building' and often come within the purview of universities and institutions of higher learning. Regrettably, these academic bodies have failed grandly and gravely to rise to the task. Such a sordid development, it seems, is in some way responsible for the perceived failure of representative bodies and the prevailing inefficiency in the state sector. CNMS believes that many of these institutions, which are central and crucial to our democratic polity, cannot be expected to work better, unless academia, think tanks and civil society engage with each other on a regular basis. Given its deep and abiding commitment to strengthening democracy and the emergence of a strong and self-reliant India, CNMS has embarked upon quality research in a host of areas in the hope that such studies will improve governance, strengthen national security, integrate India's foreign policy to the nation's long-term objectives and bring about much-needed functional efficiency in Parliament and other representative bodies as well as in public institutions.

OBJECTIVES:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an India based think-tank set up with the collaborative efforts of leading security experts, educators, civil servants and philanthropists under the aegis of the **NaMo Kendra** across the world. The CNMS's objective is to become a centre of excellence to kick start innovative ideas and thoughts that can lead to a stronger, secure and prosperous country, playing its destined role in global affairs.

Shri Narendra Modi is undoubtedly the architect of New India. The purpose of the

OUR PUBLICATIONS



Centre is to organize a number of programmes on the theme of life, thoughts and achievements of Narendra Modi as well as on subjects like New India, Aatmanirbhar Bharat, Sabka Sath-Sabka Vikas-Sabka Vishwaas, Indian democracy, nationalism, Indian's foreign policy and India's economic development. The Centre aims to organise a seminar on Narendra Modi Model after seventy-five years of India's Independence and seventy year of the Indian Constitution besides organising a number of workshops for college students, research scholars and teachers.

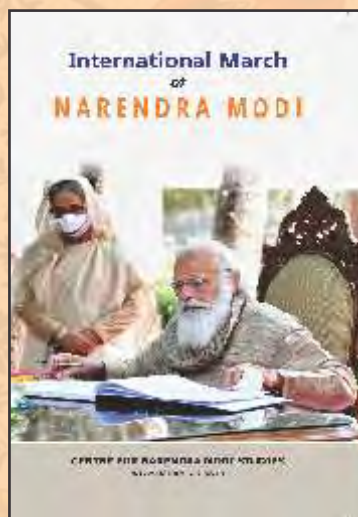
From the next academic year, the CNMS plans to introduce a few short term workshop's on New India & Aatmanirbhar Bharat, India's freedom movement and Indian democracy in the light of current problems. The Centre may introduce few inter-disciplinary courses in the present scheme of Credit System. The CNMS plans to bring out a number of publications on themes relevant to contemporary times.

Historically, India has been a hub of knowledge and wisdom since ages. This knowledge reservoir can be seen and read in the form of Vedas, Panchatantra and numerous treatises on medicine, astronomy, mathematics, chemistry, logic, etc. which bear testimony to the power of the nation called India. Some of the oldest languages of the world are spoken in the country. All this indicates that India as a nation has the capacity to lead the world as the innovative ideas may emerge from this fountainhead of classical reservoir which will certainly illuminate the world.



Prof. Jasim Mohammad presented Coffee Table from Centre for Narendra Modi Studies "Rashtra Pratham Sadavey Pratham 'Narendra Modi'" to Hon'ble National General Secretary (Org.), Bhartiya Janta Party, Shri B.L. Santhosh Ji on 6th September 2021 at BJP Office, New Delhi

OUR PUBLICATIONS





Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

ACADEMIC ACTIVITIES TO BE UNDERTAKEN:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), is scheduled to play a pivotal role in this area in matters related to research such as:

- (a) Undertaking research in to the Narendra Modi model of nation-building.
- (b) Defining the parameters of the concept of secularism, liberal democracy, non-alignment, and social justice as spelled by Sh. Narendra Modi to enable policy-makers to make more effective policies.
- (c) Establishing inter-linkages with NGOs and academic institutions working in this area to provide authentic data and enhanced information to both policy-makers and public alike.

Thrust Areas of the CNMS

- ❖ National Security and Strategic Studies
- ❖ International Relations/Diplomacy
- ❖ Neighbourhood Studies
- ❖ Governance and Political Studies
- ❖ Economic Studies
- ❖ Technological and Scientific Studies
- ❖ Historical and Civilisational Studies
- ❖ Political Philosophy of Narendra Modi;
- ❖ Modi and Development of Democracy in New India;
- ❖ Narendra Modi and International Politics;
- ❖ Narendra Modi and new legislations to meet current challenges;
- ❖ Narendra Modi's 20-year achievements as an administrator during his tenure as an innovative administrator in the state and at the centre;
- ❖ Narendra Modi addressing to social tensions and conflicts;
- ❖ Narendra Modi's oratory as an illustration of his command over language;
- ❖ Narendra Modi's welfare schemes and their impact on the society;
- ❖ Narendra Modi as a futurist;



Prof. Jasim Mohammad, Chairman, Centre for Narendra Modi Studies presented his own books to Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi Ji

- ❖ Narendra Modi's place among world leaders;
- ❖ Narendra Modi's schemes for the welfare of minorities and dalits;
- ❖ Narendra Modi's wise policy for handling COVID-19;
- ❖ Narendra Modi's keen interest in the development of science and technology;
- ❖ Narendra Modi's patronage to nuclear scientists;
- ❖ How Narendra Modi has emerged as a trend-setter in all human spheres;
- ❖ Narendra Modi as a Parliamentarian;
- ❖ Any other issues, challenges threatening the unity of India.



CNMS ALIGARH STUDY CENTRE



नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

(A Public Trust Registered by Indian Trusts Act 1882)

Reg. Office: 29, GF, Muzzammil Complex, Dodhpur, Civil Lines, Aligarh-202001 (UP) INDIA

Study Centre: 'NaMo Kendra', Qila Enclave, Ramgarh-Panjoopur, Aligarh-202001 (U.P.) INDIA

✉ modistudies@gmail.com, cnmsindia@gmail.com | 🌐 www.namostudies.in

☎ Telefax: +91-571-2704121 | 📞 +91- 86302 04950 | 🐦 @modistudies | 📘 @namokendra

PAN- AACTC8825B